हेली म्हारी कर सोलह सिणगार गुरु जी सूं मिलबा चालां ये

हेली म्हारी कर सोलह सिणगार,
गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

गुरु शब्द को साबुन ले ले,
कचरा ने परो निवार,
राम नाम की टिकी लगा ले,
सत्संग सुरमो सार।bd।
हेली मारी कर सोलह सिणगार,
गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

दया धर्म को पहर ले गागरो,
नेम को नाड़ो सार,
करड़ी गांठ जुगत से दीज्ये,
हंसे नही संसार।
हेली मारी कर सोलह सिणगार,
गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

ओर पियो मारे दाय नही आवे,
अजर अमर पियो मारो,
उण पिया से लगी डोर मारी,
एक पलक नही न्यारो।
हेली मारी कर सोलह सिणगार,
गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

नाथ गुलाब मिलिया गुरु पूरा,
दियो शब्द तत सारो,
भवानी नाथ गुरु जी के शरणे,
सहजा लियो किनारों।
हेली मारी कर सोलह सिणगार,
गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

हेली म्हारी कर सोलह सिणगार

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरु जी सूं मिलबा चालां ये।bd।

गायक – भवानी सिंह शेखावत गोल जयपुर।
प्रेषक – चम्पालाल प्रजापति।
मालासेरी डूँगरी 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com